Regarding relief and rehabilitation of flood affected people by Ganga, Phulhar and Koshi Rivers-laid

श्री खगेन मुर्मु **(**माल्दहा उत्तर**) :** मैं पूरे सम्मान के साथ यह तथ्य सामने लाना चाहता हूं कि भारी बारिश और नदी की गहराई में कमी के कारण गंगा, फुलहर और कोशी का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है, जिससे अभूतपूर्व बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है और रतुआ ब्लॉक के अंतर्गत खासमोहोल, नसीरुद्दीन टोला, भाषाराम टोला, कानतु टोला, महानंदा टोला और भिलाई मारी पंचायतों के जैसे गांवों के नदी किनारे के आवासों पर विनाशकारी प्रभाव पड़ा है, जिसमें 300 से अधिक परिवार गंगा, फुलहर और कोशी कटाव से प्रभावित हुए हैं । जबकि हरिश्चंद्रपुर- ।। ब्लॉक के उत्तर और दखिन भाकुरिया, रशीद पुर जैसे गांव जिनमें लगभग 135 से अधिक परिवार फुलहर से प्रभावित हुए हैं । उपरोक्त सभी ग्रामीण दुर्भाग्यवश तीनों नदियों के कहर के कारण अपने घरों से विस्थापित होकर सड़कों पर आ गए हैं । इन सभी लोगों को यथाशीघ्र उचित राहत एवं मुआवजा देकर पुनर्वासित किया जाना चाहिए ।

ऐसी परिस्थितियों में मैं निवेदन करता हूं कि गंगा, फुलहर एवं कोशी के तटवर्ती बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के मुद्दे पर तत्काल प्रभाव से माननीय जल शक्ति मंत्री से एवं पश्चिम बंगाल सरकार से बाढ़ प्रभावित पीड़ितों को पुनर्वास की व्यवस्था तुरंत की जाए ।